

कक्षा : दसवीं : गतिविधि

परिचय

पाठ्यपुस्तक	क्षितिज भाग दो
पाठ	आत्मकथ्य
शीर्षक	पर्ची डालो और खुद को पहचानो
समय	एक कालांश
प्रकार	व्यक्तिगत
विद्यार्थी-संख्या	एक
कौशल	आत्ममूल्यांकन, चयन, वाचन, लेखन कौशल
आवश्यक सामग्री	लाल और हरे रंग का कागज़, ए4 आकार का रंगीन कागज़, रंगीन कलम , लाल रंग तथा हरे रंग का डिब्बा, बोर्ड पर लगे दो रंगीन चार्ट जिन पर गुण और अवगुण लिखा होगा ।

चरण:-

1.शैक्षिक अधिगम:-

*आत्ममूल्यांकन की विधि को सीखना ।

*चरित्रनिर्माण के प्रति जागरूक हो अपने व्यक्तित्व को निखार सकना ।

*आत्मविश्वास, स्वाभिमान, भ्रम से निकल कर यथार्थ की सच्चाई को समझ सकना ।

2.अध्यापिका गतिविधि :

*अध्यापिका के निर्देशानुसार कक्षा की प्रत्येक छात्रा अपने गुणों को हरे रंग की पर्चियों पर तथा अपने अवगुणों को लाल रंग की पर्चियों पर लिख कर रखेंगी । पर्चियाँ एक से अधिक भी हो सकती हैं ।

*प्रत्येक छात्रा अपने स्थान से उठकर हरे डिब्बे में हरी और लाल डिब्बे में लाल पर्चियाँ डालेंगी ।

*सभी पर्चियाँ डालने के बाद अध्यापिका के निर्देशानुसार एक-एक छात्रा आकर एक लाल और एक हरे रंग की पर्चियाँ उठाकर उसमें लिखे अवगुणों तथा गुणों को पढ़कर कक्षा को सुनाएँगी ।

*हरे रंग की पर्ची गुण तथा लाल रंग की पर्ची अवगुण लिखे चार्ट पर लगाएँगी ।

*कक्षा में सुनाए गए गुणों-अवगुणों में से चयन कर अपने व्यक्तित्व के गुणों-अवगुणों को अपने रंगीन कागज़ पर भीति चित्र के रूप में लिखेंगी ।

*अपने गुणों की वृद्धि तथा अवगुणों को दूर करने के उपाय लिखेंगी ।

*अध्यापिका अंत में निर्धारित प्रारूप के आधार पर लिखित आत्ममूल्यांकन का मूल्यांकन करेंगी ।

3.छात्र-गतिविधि:-

*सभी छात्राएँ अध्यापिका द्वारा निर्देश प्राप्त कर अपनी समझ, जागरूकता आदि के आधार पर अपनी पर्चियाँ लाकर डिब्बे में डालेंगी तथा चयनित पर्चियों का वाचन करेंगी ।

*अपना आत्ममूल्यांकन अपने गुणों-अवगुणों को लिखकर अपने व्यक्तित्व को सँवारने के उपाय भी लिखेंगी ।

*अंत में छात्राएँ मूल्यांकन हेतु अपना आत्ममूल्यांकन अध्यापिका को देंगी ।

4.मूल्यांकन के मानदंड:-

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1